ऐश्वर्या ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है. उन्होंने उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करने और लोगों को अवैध रूप से उनके नाम, तस्वीरों और एआई से बने अश्लील सामग्री का उपयोग करने से रोकने का आग्रह किया.ऐश्वर्या के वकील संदीप सेठी के हवाले से लिखा %वे मेरे संगठन के नाम पर पैसे कमा रहे हैं. यूट्यूब पर जो स्क्रीनशॉट हैं, उनमें छेड़छाड़ की गई है. उन्होंने ऐसी तस्वीरों को अधिकृत किया है. ये सभी एआई द्वारा उत्पन्न की गई हैं.

वकील ने यह भी आरोप लगाया कि एक सज्जन केवल नाम और चेहरा लगाकर पैसा इकट्ठा कर रहे हैं. उनके नाम और तस्वीर का इस्तेमाल किसी की यौन इच्छाओं को संतुष्ट करने के लिए किया जा रहा है. यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है.% इसके अलावा, वकील ने यह भी बताया कि राय की तस्वीरें वॉलपेपर और टी-शर्ट पर बिना अनुमति के बेची जा रही हैंऐश्वर्या राय की ओर से पैरवी करने वाले वकीलों में प्रवीन आनंद और ध्रुव आनंद भी शामिल हैं. उच्च न्यायालय ने मामले को आगे की कार्यवाही के लिए सात नवंबर को संयुक्त रजिस्ट्रार के सामने और 15 जनवरी 2026 को अदालत के सामने सूचीबद्ध किया.

58 वर्ष के हुए अक्षय कुमार

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता अक्षय कुमार आज 58 वर्ष के हो गये.

अक्षय कुमार (मूल नाम राजीव भाटिया) का जन्म 09 सितंबर 1967 को पंजाब के अमृतसर में एक मध्यम वर्गीय पंजाबी परिवार में हुआ था. उनका बचपन दिल्ली में बीता. पढ़ाई पूरी करने के बाद अक्षय बैंकाक चले गये और वहां बावर्ची का काम करने लगे. इस दौरान वह वहां मार्शल आर्ट सीखा करते थे. बैंकाक से लौटने के बाद अक्षय कुमार मुंबई आ गए और मार्शल आर्ट ट्रेनर का काम करने लगे. इसी दौरान अक्षय की मुलाकात फिल्मकार प्रमोद चक्रवर्ती से हुई. प्रमोद चकवर्ती ने उनसे अपनी फिल्म दीदार में काम करने की पेशकश की. इससे पहले हालांकि उनकी फिल्म सौगंध प्रदर्शित हो गयी.

इस बीच निर्देशक अब्बास मस्तान की नजर अक्षय कुमार पर पड़ी. उन्होंने उनसे अपनी फिल्म खिलाड़ी में काम करने का प्रस्ताव किया. वर्ष 1992 में प्रदर्शित रहस्य और रोमांच से भरी यह फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी और वह काफी हद तक इंडस्ट्री में पहचान बनाने में कामयाब हो गये. फिल्म खिलाड़ी की सफलता के बाद अक्षय फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने में कामयाब हो गये. खिलाड़ी के बाद

अक्षय कुमार फिल्म इंडस्ट्री में खिलाड़ी कुमार के नाम से मशहूर हो गये. इसके बाद फिल्मकारों ने उन्हें लेकर खिलाड़ी टाइटल वाली कई फिल्मों का निर्माण किया. इनमें मै खिलाड़ी तू अनाड़ी, सबसे बडा खिलाड़ी, खिलाड़ियों का खिलाड़ी, मिस्टर एंड मिसेज खिलाड़ी, इंटरनेशनल खिलाड़ी, खिलाड़ी 420 आदि है.

120 बहादुर की टीम ने रिजांग ला के असली नायक से की मुलाकात

फरहान अख्तर की आने वाली फिल्म 120 बहादुर की टीम ने दिल्ली में रिजांग ला के दो असली नायक, सुबेदार ऑनररी कैप्टन राम चंदर यादव और हवलदार निहाल सिंह से मुलाकात की.फरहान अख्तर स्टारर वॉर-ड्रामा फिल्म %120 बहादुर% भारतीय सेना के इतिहास के सबसे वीर लेकिन कम जाने जानें वाले किस्सों में से एक, %रेजांग ला की लड़ाई% पर आधारित है. 1962 की कड़ाके की ठंड के दौरान लड़ी गई भारत-चीन वॉर पर बनीं यह फिल्म एक सच्ची वीरता की कहानी है, जिसमें 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 भारतीय सैनिकों ने अपनी आखिरी सांस तक उनसे कहीं ज़्यादा बड़े चीनी सैनिकों के खिलाफ डटकर मुकाबला किया था. यह फिल्म उन बहादुर सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने अपनी जान देश के लिए कुर्बान कर दी. हाल ही की बात करें तो 120 बहादुर की टीम के लिए एक बेहद इमोशनल पल तब आया जब उनकी मुलाकात रेजांग ला की लड़ाई के असली वीरों यानी सूबेदार ऑनरेरी कैप्टन राम चंदर यादव और हवलदार निहाल सिंह से हुई, जो आज भी हमारे बीच मौजूद हैं.

दिल्ली में, फिल्म निर्माता रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर, के साथ निर्देशक रज़नीश रेज़ी घई, को रियल लाइफ हीरो और उनके परिवारों से मिलने का मौका मिला. इस पल के खास इमोशंस में और गहराई जोड़ते हुए, फिल्म में सूबेदार ऑनरेरी कैप्टन राम चंदर यादव और हवलदार निहाल सिंह की भूमिका निभा रहे स्पर्श वालिया और अतुल सिंह ने भी अपने रियल लाइफ इंस्पीरेशन से मुलाकात की, जिसकी झलक सामने आई है.

केसरी चैप्टर 2 का प्रीमियर 13 सितंबर को होगा

अक्षय कुमार, आर. माधवन और अनन्या पांडे की मुख्य भूमिकाओं वाली धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म केसरी चैप्टर 2 का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर शनिवार, 13 सितंबर को रात आठ बजे स्टार गोल्ड पर होगा.

इस सितंबर, स्टार गोल्ड लेकर आ रहा है साहस और सच्चाई की एक ताक़तवर कहानी केसरी चैप्टर 2ः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग़. यह फिल्म शनिवार, 13 सितंबर को रात आठ बजे वर्ल्ड टीवी प्रीमियर के रूप में दिखाई जाएगी. यह कहानी है उस बहादुर वकील सी. शंकरन नायर की, जिन्होंने 1919 के जलियांवाला बाग़ नरसंहार की सच्चाई सामने लाने के लिए ब्रिटिश हुकूमत से टक्कर ली.इस फिल्म का निर्देशन करन सिंह त्यागी ने किया है. अक्षय कुमार ने कहा, सी. शंकरन नायर की भूमिका निभाना मेरे करियर के सबसे खास अनुभवों में से एक रहा. उनकी कहानी साबित करती है कि हिम्मत केवल युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि सच्चाई और न्याय की लड़ाई में भी दिखाई जाती है. मुझे खुशी है कि अब यह अनकही कहानी टीवी पर देश के हर घर तक पहुंचेगी.

92 वर्ष की हुईं आशा भोंसले

बॉलीवुड की जानीमानी पार्श्वगायिका आशा भोंसले आज 92 वर्ष की हो गयी. महाराष्ट्र के सांगली गांव में 08 सितम्बर 1933 को जन्मीं आशा भोंसले के पिता पंडित दीनानाथ मंगेश्कर मराठी रंगमंच से जुड़े हुए थे. नौ वर्ष की छोटी उम्र में ही आशा के सिर से पिता का साया उठ गया और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाते हुए आशा और उनकी दीदी लता मंगेश्कर ने फिल्मों में अभिनय के साथ साथ गाना भी शुरू कर दिया.आशा भोंसले ने अपना पहला गीत वर्ष 1948 में 'सावन आया' फिल्म चुनरिया में गाया.

सोलह वर्ष की उम्र में अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध जाते हुये उन्होंने अपनी उम्र से काफी बड़े गणपत राव भोंसले से शादी कर ली. उनकी वह शादी ज्यादा सफल नहीं रही और अंततः उन्हें मुंबई से वापस अपने घर पुणे आना पड़ा. उस समय तक गीतादत्त, शमशाद बेगम और लता मंगेश्कर फिल्मों में बतौर पार्श्वगायिका अपनी धाक जमा चुकी थीं.

बैटल ऑफ गलवान' से सामने आया सलमान का लुक

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने अपनी आने वाली फिल्म बैटल ऑफ गलवान से पहला ऑफिशियल लुक इंस्टाग्राम पर शेयर कर दिया है. शूटिंग शुरू होते ही सामने आई इस तस्वीर में सलमान आर्मी की यूनिफॉर्म में दिखाई दे रहे हैं. सलमान अपने इस लुक में राजसी ठाठ-बाट, घनी मूंछें और तीखी नजरों के साथ देशभक्ति में डूबे हुए दिखाई दे रहे हैं.

अपूर्व लखिया के निर्देशन में बनी यह फ़िल्म 2020 की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई भयानक लड़ाई के समय में फिर से लेकर जाती है. उस समय सीमा पर हुआ यह एक दुर्लभ संघर्ष था, जिसमें सैनिकों ने बिना किसी हथियार के लड़ाई लड़ते हुए जान गंवाई थी.

सैनिकों ने लाठी और पत्थरों से आमने-सामने की लड़ाई लड़ी थी, जिससे यह हाल के भारतीय इतिहास की सबसे ज़्यादा भावनात्मक कहानियों में से एक बनकर सामने आई.

अपनी दमदार कहानी और कमाल की स्टार कास्ट के साथ बैटल ऑफ गलवान हाल के सालों में भारतीय सेना को समर्पित सबसे असरदार सिनेमाई श्रद्धांजलि बनने जा रही है.

काजल अग्रवाल का मौत की झूठी खबरों पर बयान

साउथ और बॉलीवुड एक्ट्रेस काजल अग्रवाल को लेकर हाल ही में एक ऐसी अफवाह उड़ी जिसने उनके करोड़ों चाहनेवालों को उदास कर दिया. एक्ट्रेस को लेकर खबरें आईं कि रोड एक्सीडेंट में उनकी मौत हो गई है. ये खबर देखते ही देखते इंटरने पर तेजी से फैलने लगीं. हालांकि, ये खबरें एकदम फर्जी हैं और काजल अग्रवाल एकदम ठीक हैं. उन्होंने खुद इन अफवाहों का खंडन किया है.काजल अग्रवाल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट कर फैल रही इन झूठी खबरों पर रिएक्ट किया. इसी के साथ उन्होंने अपने सही-सलामत होने का सबूत भी दे दिया. काजल हाल ही में पति गौतम किचलू के साथ मालदीव्स ट्रिप पर गई थीं. वहां से उन्होंने खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा था, मालदीवः मेरा बार-बार आने वाला प्यार. यहां का आकर्षण, चमक और सूर्यास्त हर बार मेरी सांसें थाम लेते हैं. वर्कफ्रंट की बात करें तो काजल आखिरी बार विष्णु मांचू की फिल्म 'कन्नप्पा' में नजर आई थीं.

'द बंगाल फाइल्स' की कमाई में गिरावट

विवेक अग्निहोत्री की मोस्ट अवेटेज फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर चर्चा में बनी हुई है. हालांकि चौथे दिन यानी सोमवार को फिल्म की कमाई में बड़ी गिरावट देखने को मिली. पहले वीकेंड पर जहां कलेक्शन काफी शानदार देखने को मिला था, वहीं 'बागी 4' के साथ क्लैश ने इसकी रफ्तार धीमी कर दी है.

'द बंगाल फाइल्स' ने पहले दिन यानी शुक्रवार को लगभग 1.75 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी. यह आंकड़ा उम्मीदों से कम माना गया, लेकिन फिल्म के टॉपिक और स्टारकास्ट के कारण दर्शकों की जिज्ञासा बनी रही. शनिवार को फिल्म का कलेक्शन बढ़कर 2.25 करोड़ रुपये तक पहुंचा. वहीं रविवार को छुट्टी का फायदा मिला और फिल्म ने 2.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया. तीन दिनों में फिल्म का कुल कलेक्शन 6.75 करोड़ रुपये हो गया.

मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के आसान और असरदार तरीके

खेती की सफलता का सबसे बड़ा आधार है, मिट्टी की उर्वरता. अगर मिट्टी पोषक तत्वों से भरपूर होगी तो फसल की पैदावार भी अच्छी होगी. लेकिन लगातार रासायनिक खादों का बहुत ज्यादा प्रयोग, एक ही फसल के बार-बार बोने और भूमि प्रबंधन की कमी से मिट्टी की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है. मिट्टी खेती का आधार नहीं है, बल्कि किसानों की जिंदगी का सहारा भी है. किसान इन तरीकों को अपनाएंगे तो मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी, फसलों की पैदावार और गुणवत्ता भी बेहतर होगी.

फसल चक्र- एक ही फसल को लगातार बोने से मिट्टी में वही पोषक तत्व बार-बार खर्च होते हैं और मिट्टी थक जाती है. अगर किसान गेहूं या धान के बाद दालें, तिलहन या सब्जियां बोएं तो मिट्टी को नए पोषक तत्व मिलते हैं और उसकी सेहत बनी रहती है.

हरी खाद का उपयोग- धान या मूंग जैसी हरी फसलों को खेत में जुताई कर मिट्टी में मिलाने से जमीन में जैविक पदार्थ और नाइट्रोजन की मात्रा बढ़ती है. यह प्राकृतिक खाद मिट्टी को उपजाऊ बनाने का असरदार तरीका है.

गोबर की खाद और कम्पोस्ट - देसी खाद जैसे गोबर और कम्पोस्ट से मिट्टी को लंबे समय तक पोषण मिलता है. इससे मिट्टी की नमी बनी रहती है और जमीन की संरचना भी मजबूत होती है.

घर पर उगाएं कम खर्चीला सुपरफूड व्हीटग्रास

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग हेल्दी और नेचुरल विकल्पों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं. खासकर ऐसे सुपरफूड्स की मांग बढ़ गई है जिनमें पोषण ज्यादा हो और उसके नुकसान कम हों. इन्हीं में से एक है व्हीटग्रास. आप इसे गेहूं के पौधे का अंकुर या स्प्राउटेड व्हीट भी कैसे सकते हैं. यह हरे रंग की एक छोटी घास के रूप में उगता है. पोषण से भरपूर यह हरी घास शरीर को ऊर्जा देने और कई बीमारियों से बचाने में मदद करती है.

व्हीटग्रास को उगाना बेहद आसान है. इसे कोई भी व्यक्ति अपने घर पर उगा सकता है. इसके लिए सबसे पहले साफ और स्वस्थ गेहूं के दाने चुने जाते हैं. इन बीजों को 8 से 10 घंटे तक पानी में भिगोकर रखा जाता है और उसके बाद गीले कपड़े में एक दिन के लिए रख दिया जाता है ताकि उनमें अंकुर फूट सके. इसके बाद किसी गमले या ट्रे में उपजाऊ मिट्टी और गोबर की खाद डालकर उसे समतल कर लिया जाता है. फिर अंकुरित बीजों को मिट्टी की सतह पर फैलाकर ऊपर से हल्की मिट्टी डाल दी जाती है.

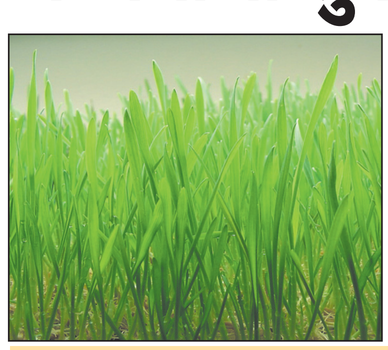

इम्युनिटी को बनाता है स्ट्रॉन्ग

पाचन तंत्र को दुरुस्त करना भी व्हीटग्रास की खासियत है. यह कब्ज और गैस जैसी समस्याओं को दूर करता है. साथ ही, व्हीटग्रास का जूस ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित करने और वजन घटाने में मददगार माना जाता है. इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा को झुर्रियों से बचाते हैं और बालों को भी मजबूत बनाते हैं. व्हीटग्रास की खेती आसान और कम खर्चीली तो है ही साथ ही आपके स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद है.

ध्यान रहे कि बीज बहुत गहराई में न दबें, वरना अंकुरण धीमा हो सकता है.

जूस बनाएं या पाउडर - सिंचाई के लिए पानी का हल्का छिड़काव रोजाना करना जरूरी है, जिससे मिट्टी में नमी बनी रहे. करीब 7 से 10 दिनों में यह हरी घास 6 से 7 इंच लंबी हो जाती है और काटने लायक तैयार हो जाती है. इसे कैंची से काटकर ताजा जूस बनाया जा सकता है या सुखाकर पाउडर के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है. अच्छी बात यह है कि एक बार बोने के बाद गेंहू की घास को दो-तीन बार तक काटा जा सकता है.

इसके हैं कई फायदे

- व्हीटग्रास के हेल्थ बेनफिट्स भी काफी ज्यादा हैं और एक्सपर्ट्स इसे नैचुरल डिटॉक्सिफायर तक कहते है. इसमें विटामिन, ष्ट, श्व, च और क्क-कॉम्प्लेक्स भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं. इसके अलावा इसमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, अमीनो एसिड और कई तरह के एंजाइम पाए जाते हैं, जो शरीर को मजबूत और स्वस्थ रखते हैं.

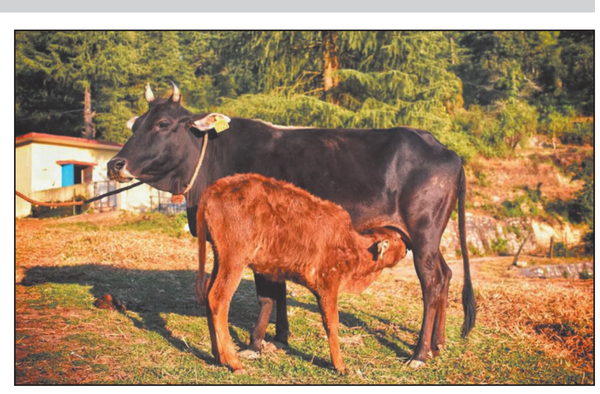

दुधारू पशु खरीदते समय जरूर रखें इन बातों का ध्यान

ग्रामीण इलाकों में खेती-किसानी के बाद पशुपालन का महत्व बढ़ता जा रहा है. विशेष रूप से दुधारू पशुओं का पालन करने से किसानों को दूध, गोबर की खाद और समय-समय पर बछड़े-बछिया भी मिलते हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है. लेकिन, दुधारू पशु खरीदते समय कई बातों का ध्यान रखना जरूरी होता है, ताकि पशुपालक को आगे चलकर कोई नुकसान न हो. ऐसे में पशुपालक जब भी दूधारू पशु खरीदें तो इन जरूरी बातों का जरूर ध्यान रखें, ताकि इस तरह के नुकसान का जोखिम ना उठाना पड़े.

दुधारू पशु का देखें शरीर- एक अच्छे दुधारू पशु की पहचान उसके शरीर की बनावट से की जा सकती है, जिस पशु को आप खरीद रहे हैं उसका शरीर तिकोना होना चाहिए, यानी आगे से पतला और पीछे से चौड़ा. त्वचा पतली, चिकनी और चमकदार होनी चाहिए. वहीं, थन का आकार संतुलित होना चाहिए.

2. देख लें कितना देते हैं दूध-दुधारू पशु खरीदने से पहले कम से कम 2 से 3 दिन तक उसका दूध निकालकर देखना चाहिए. इसके अलावा दूध की धार सीधी और तेज होनी चाहिए. साथ ही ये भी देखें कि दूध निकालने के बाद थन सिकुड़ रहा है या नहीं, ऐसा इसलिए क्योंकि दूध की थैली भरी और खाली होने की पुष्टि हो सके.

नस्ल और वंश का रखें ध्यान- यदि आप किसी गाय या भैंस की नस्ल के बारे में जानकारी रखते हैं, तो उसका दूध उत्पादन और स्वास्थ्य अनुमानित किया जा सकता है. वहीं, खरीदते समय पशु के वंश का रिकॉर्ड ज़रूर मांगें. उच्च नस्ल वाले पशु ही ज्यादा दूध देते हैं और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी अच्छी होती है.

इस उम्र तक की खरीदें पशु- अगर आप दुधारू पशु खरीदने जा रहे हैं, तो प्रजनन और दूध उत्पादन की दृष्टि से 3 से 6 वर्ष की उम्र के बीच के पशु सबसे उपयुक्त माने जाते हैं. वहीं, 10 से 12 वर्ष की

सितंबर महीने में घर में उगा सकते हैं ये मसाले

मार्केट में मिलने वाले नकली सामानों के हर कोई परेशान है. भोजन को लेकर भी ये चिंता बनी रहती है कि क्या हम कोई मिलावटी सामान तो नहीं खा रहे हैं? हम कुछ जरूरी सावधानी और तत्परता से मिलावटी सामानों से बच सकते हैं. सितंबर का महीना चल रहा है. इस महीने में हम अपने घर में मसाले उगा सकते हैं और उसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

धनिया उगाने का तरीका- गमले में धनिया उगाने के लिए अच्छी क्वालिटी का बीज होना बेहद जरूरी है. गमले में जल निकासी के लिए छेद होना जरूरी है. धनिया उगाने के लिए हल्की, रेतीली और न्यूट्रिशन से भरपूर मिट्टी का इस्तेमाल करना चाहिए. गमले में बीज बोने के बाद पानी का छिड़काव करें. गमले को 4-5 घंटे धूप वाली जगह पर रखना चाहिए. धनिया के बीज 7-10 दिन में अंकुरित हो जाते हैं. पौधे उगने के बाद नियमित पानी देना चाहिए.

काली मिर्च कैसे उगाएं?- काली मिर्च उगाने के लिए एक जल निकासी वाले गमले का इस्तेमाल करना चाहिए. उसमें सूखी और भुरभुरी मिट्टी में रेत और खाद मिलना चाहिए. अच्छी किस्म के काली मिर्च के पौधे नर्सरी से खरीदना चाहिए. पौधे को गमले में लगाएं. उसके बाद उसमें थोड़ा सा पानी डालें. काली मिर्च के पौधे को रोजाना 6 से 8 घंटे की सीधी धूप की जरूरत होती है. हर 1-2 महीने में जैविक खाद डालना चाहिए. हालांकि काली मिर्च की पैदावार के लिए 5 से 7 साल का वक्त लग जाता है.

गमले में कैसे उगाएं मेथी?- सितंबर महीने में बालकनी या छत पर गमले में मेथी उगा सकते हैं. इसके लिए 6-8 इंच गहरे चौड़े गमले में मिट्टी भरें और उसमें मेथी के बीज बो दें. गमले को ऐसी जगह पर रखें, जहां पर्याप्त धूप आती हो. मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हमेशा पानी का छिड़काव करते रहें. लेकिन ज्यादा पानी नहीं होना चाहिए. इससे जड़ें गल सकती हैं. कुछ हफ्तों बाद जब मेथी के पत्ते तैयार हो जाएं तो उसकी कटाई करें और इस्तेमाल करें.

कैसे उगाएं तेज पत्ता?- गमले में तेज पत्ता का पौधा लगाने के लिए उसमें अच्छी मिट्टी भरें और उसमें खाद भी मिलाएं. पौधा उगाने के लिए गमला ऐसा होना चाहिए, जिसमें नीचे छेद हो, ताकि उसमें पानी जमा ना हो. गमले में 1-2 इंच गहराई में बीज बोना चाहिए.

इलायची का पौधा

गमले में इलायची का पौधा उगाने में 2 से 3 साल का वक्त लगता है. सबसे पहले गमले में जल निकासी वाली मिट्टी का इस्तेमाल करना चाहिए. इसमे समय-समय पर खाद देना चाहिए. बीज को मिट्टी में 2 इंच गड्ढे में बोएं. इसके बाद हल्का सा पानी दें. गमले को ऐसी जगह पर रखना चाहिए, जहां तेज धूप ना पड़े.

लौंग उगाने का तरीका

गमले में लौंग उगाने के लिए एक गमला लेना चाहिए. सबसे पहले ताजा बीज लेना चाहिए और उसे 24 घंटे तक पानी में भिगोकर रखना दें. इसके बाद बीजों को गीले कपड़े में लपेटकर 4-5 दिन के तक अंकुरित होने दें. इसके बाद गमले में एक इंच गहराई में बीज को बो दें.